

१६. चोरी

प्रस्तावना

यशपाल जैन

(जन्म : सन् 1912, मृत्यु : सन् 2000)

* यशपाल जैन का जन्म अलीगढ़ जिले के विजय गढ़ कस्बे में हुआ था। उन्होंने ज्यादातर बालसाहित्य की रचना की है। बल मनो विज्ञान पर उन्होंने अनेक कहानियाँ लिखी है। उनके इस योगदान के लिए भारत सरकारने सन 1990 में उनको 'पद्मश्री' से सन्मानित किया।

'अजन्ता इलोरा', 'अहिंसा' और 'भारत के यात्री' उनकी ख्यातनाम कृतियाँ हैं। इस पाठ में यशपाल जी हमे नौकर के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए वह समजाते है। तो चलिए इस पाठ का अध्ययन करते है।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

१. मालती की आवाज सुनकर बिन्दु की चाल में ।

(अ) रुकावट आ गई ।

(ब) तेजी आ गई ।

(क) बदल गई ।

(ड) सुधार आ गई ।

उत्तर : (ब) तेजी आ गई ।

२. असली बात जानने का यह तरीका नहीं है ? यह कोन कहता है ?

(अ) मालती

(ब) बिन्दु

(क) नंदन

(ड) नयन

उत्तर : (क) नंदन

३. देख लेना एक दिन यही बिन्दु घर में से उठाकर न ले जाए तो मेरा नाम भी मालती नहीं ।

(अ) संदूक

(ब) अनाज

(क) ट्रंक

(ड) समान

४. ' अरे ' वह तो नदीवाली कोठरी में पड़ा है । यह वाक्य कोन कहता है ?

(अ) कुन्दन

(ब) नंदन

(क) मालती

(ड) बिन्दु

५. नंदन ने पत्नी की बात सुनी तो उसके चहरे पर आ गई ।

(अ) चिंता की रेखा

(ब) प्रसन्नता भरी मुस्कुराहट

(क) प्रसन्नता

(ड) मुस्कुराहट

२. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. मालती के मन में बिन्दु के प्रति क्या आशंका हुई ?

उत्तर : मालती के मन में बिन्दु के प्रति यह आशंका हुई कि वह अपनी मुट्ठी में घर की कोई कीमती चीज दबाए जा रहा है ।

२. मालती को शांत करते हुए नंदन ने क्या कहा ?

उत्तर : मालती बिन्दु को उल्टी – सीधी बातें सुनाने लगी तो नंदन ने उसे शांत करते हुए कहा कि असली बात जानने का यह तरीका नहीं है ।

३. कूड़ा फेंकने की जगह पर नंदन और मालती को क्या दिखा ?

उत्तर : कूड़ा फेंकने की जगह पर नंदन और मालती को थोड़े से काजू और किशमिश पड़ी दिखी ।

३. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. नंदन ने बिन्दु से चोरी की बात किस प्रकार मालूम की ?

उत्तर : नंदन ने बिन्दु को प्यार से समझाकर कहा कि वह सचसच बता दे कि अपनी मुट्ठी में क्या ले गया है। उसे कोई कुछ नहीं कहेगा । इस तरह नंदन ने बिन्दु को भरोसा दिलाकर उससे चोरी की बात मालूम की ।

२. बिन्दु ने अपने दोष का किस तरह पश्चाताप किया ?

उत्तर : बिन्दु कमरे से थोड़े काजू और किशमिश उठा लाया था, पर उसे लग रहा था जैसे उसने दुनिया का बहुत बड़ा पाप कर डाला हो । बिन्दु अपने दोष का पश्चाताप करने के लिए भूखा – प्यासा एकांत में एक कमरे में मुह छिपाकर पड़ा रहा ।

३. बिन्दु के न दिखने पर मालती को क्या चिंता हुई ?

उत्तर : मालती ने घर – बाहर सभी जगह छान मारा, दोपहर बीत गई और शाम होने को आई थी पर बिन्दु कहीं मिला नहीं । मालती चिंता करने लगा । बिचारे ने सुबह से कुछ खाया नहीं था । भूखा – प्यासा न जाने कहा होगा ।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के पाँच – छ वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. नौकर के संबंध में नंदन और मालती के विचारों में क्या अंतर था ?

उत्तर : मालती की नजर में बिन्दु सामान्य नौकरो की तरह है जो घर में पहले छोटी चोरी करते हैं फिर बड़ा हाथ मारकर चले जाते हैं । उसकी नजर में बिन्दु चोर है । उसके साथ नरमी से पेश नहीं आना चाहिए । नंदन की नजर में बिन्दु चोर नहीं है । वो अपने आप तथा मालती को चोर मानता है जिसकी वजह से बिन्दु में चोरी के अवगुण पैदा हुए । उसके विचार से सबको सब मिलना चाहिए । हम ने उसे नहीं दिया इसलिए बिन्दु को चोरी करनी पड़ी ।

२. चोरी का पता लग जाने पर नंदन ने बिन्दु के साथ ऐसा व्यवहार किया ? क्यों ?

उत्तर : नंदन ने प्रेम से पुछा तो बिन्दु ने स्वीकार कर लिया था की कमरे में नीचे गीरे हुए थोड़े मेवे को उठा लाया था । नंदन को यह सुनकर गुस्सा नहीं आया, बल्कि वह बिन्दु को लेकर कमरे में गया और एक मुट्ठी में बिन्दु को खाने के लिये दिया । नंदन इस विचारधारा में मानता है कि सबको सब मिलना चाहिए ।

३. बिन्दु के प्रति सहानुभूति जगने पर मालती ने क्या किया ?

उत्तर : शाम तक बिन्दु घर नहीं लौटा तो मालती को चिंता होने लगी । बिचारे ने सुबह से कुछ खाया नहीं भूखा – प्यासा कहा भटक रहा होगा । उसके मन में बिन्दु के प्रति सहानुभूति जग गई । उसने कमरे के बहार और बगीचे में आकर देखा कि कहीं पेड़ के नीचे सो न रहा हो । फिर वो खुद को कोसने लगा की इतनी सी छोटी बात पे मेने उसे इतना क्यों तुला, तभी उसे पता लगा की बिन्दु नदीवाली कोठरी में पड़ा है । वो तुरंत वहाँ जाकर बिन्दु को उठा ले आई । वह उसे चोके में ले गई और स्वयं परोसकर उसे भरपेट खाना खिलाया ।

५. उचित जोड़ मिलाईए :

१. बिन्दु

नंदन

मालती

‘बिन्दु । ओ बिन्दु । ठहर, कहा जाता है ?’

उत्तर : मालती – ‘ बिन्दु । ओ बिन्दु । ठहर, कहा जाता है ?

२. नंदन

मालती

बिन्दु

‘सच बाबूजी ’ मेरे हाथ मे झाड़ू थी और कूड़ा था । ‘

उत्तर : बिन्दु – ‘सच बाबूजी ’ मेरे हाथ ने झाड़ू थी और कूड़ा था ।

३. मालती

बिन्दु

नंदन

‘असली बात जानने का यह तरीका नहीं है ।’

उत्तर : नंदन – असली बात जानने का यह तरीका नहीं है ।

४. नंदन

बिन्दु

मालती

‘अरे, बोलता क्यों नहीं ? मुह मे जबान नहीं है ?’

उत्तर : मालती – अरे , बोलता क्यों नहीं है ? मुह मे जबान नहीं है ?

५. मालती

कुन्दन

नंदन

‘अरे, वह तो नदीवाली कोठरी मे पड़ा है’ ।

उत्तर : कुन्दन – ‘ अरे, वह तो नदीवाली कोठरी मे पड़ा है ’ ।

६. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द दीजिए :

बेईमान × ईमानदार

मालिक × नोकर

असली × नकली

झूठ × सच

७. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाईए :

बच्चा	-	बचपन
मुस्कुराना	-	मुस्कुराहट
लड़का	-	लड़कपन
प्रसन्न	-	प्रसन्नता
बूढ़ा	-	बुढ़ापा
पागल	-	पागलपन
चोर	-	चोरी

८. आशय स्पष्ट कीजिए :

१. लातो के देव बातों से नहीं मानते हैं ।

उत्तर : समाज में दो तरह के लोग होते हैं । कुछ लोग प्रेम से कहने पर कोई काम करते हैं तो कुछ लोग लाख समझाने पर भी वह काम ही करते । लेकिन मारने या डांटने पर वे उस काम को करने के लिए तैयार हो जाते हैं । ऐसे लोग प्रेम की भाषा नहीं समझते । उनके साथ नरमी का व्यवहार न कर कड़ाई से काम लेना पड़ता है । उनके साथ उसी भाषा में व्यवहार करना चाहिए जिस भाषा को वे समझते हैं ।

२. हम क्यों ऐसी चीजें खाये जो सबको कहीं मिलती, इसीसे तो चोरी की भावना को जन्म मिलता है ।

उत्तर : मनुष्य का स्वभाव है कि वह किसी व्यक्ति को किसी वस्तु का ईस्तेमाल करते हुए देखता है, तो उसे पाने की उसकी भी ईच्छा हो जाती है । यदि वह वस्तु उसे नहीं मिलती तो वह चोरी कर वह वस्तु पाने की कोशिश करता है । अर्थात् हमें अगर उनमें चोरी का भाव पैदा होने नहीं देना तो हमें उन्हें भी वे चीजें उपलब्ध करवानी होगी जो हमारे पास हैं ।

